डी.ए.वी. प्रकाशन विभाग
डी.ए.वी. कॉलेज प्रबन्धकर्त्री समिति
चित्रगुप्त मार्ग, नई दिल्ली-110055

+3 से +4 साल तक

अक्षर परिचय

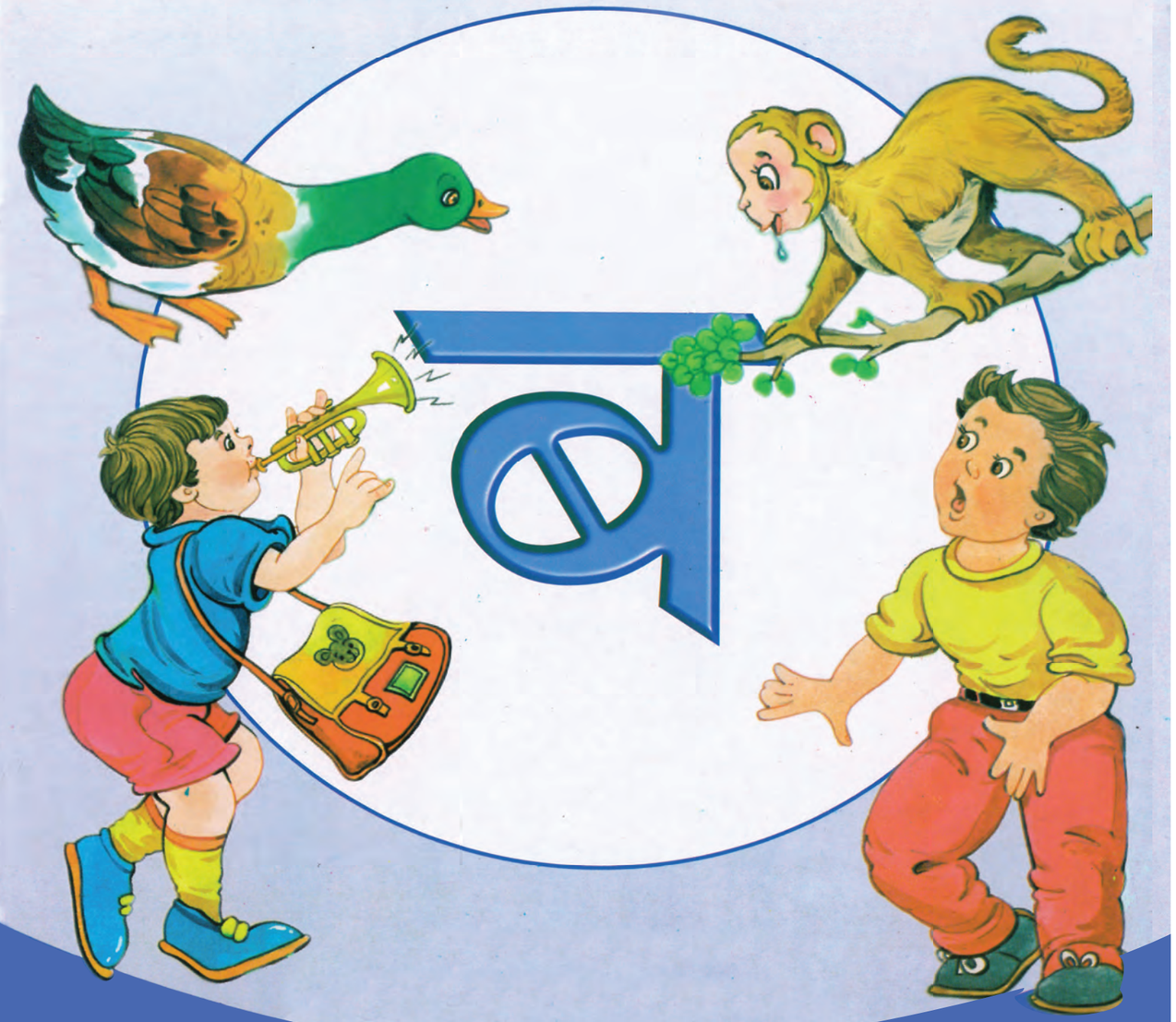

अक्षर परिचय

(कक्षा–एल.के.जी.)

डी.ए.वी. प्रकाशन विभाग

डी.ए.वी. कॉलेज प्रबन्धकर्त्री समिति

चित्रगुप्त मार्ग, नई दिल्ली–110055

समन्वयक:
डॉ. निशा पेशिन
सहायक:
संगीता बजाज, डेज़ी अरोड़ा

प्रकाशक:
डी.ए.वी. प्रकाशन विभाग
डी.ए.वी. कॉलेज प्रबन्धकर्त्री समिति
चित्रगुप्त मार्ग, नई दिल्ली-110055
दूरभाष: 011-23503500
ई-मेल: dav.publication@davcmc.net.in

संशोधित संस्करण: जनवरी, 2006
पुनर्मुद्रण: जनवरी, 2023

महत्त्वपूर्ण सूचना

यह पुस्तक केवल डी.ए.वी. कॉलेज प्रबन्धकर्त्री समिति, नई दिल्ली द्वारा प्रबंधित एवं नियंत्रित विद्यालयों में वितरण हेतु प्रकाशित की गई है।

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुन: प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।
- इस पुस्तक का वितरण मूल आवरण में ही किया जाएगा।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टीकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

री-टाईपसेटिंग:
मल्टीग्राफिक्स, करोल बाग, नई दिल्ली-110005

मुद्रक:
ताज प्रेस, नोएडा

मूल्य: ₹ 60.00

शिक्षकों से

यह हिंदी पुस्तकमाला की पहली पुस्तक है। विद्यार्थियों की मानसिक संरचना, रुचि, स्तर और नवीनतम शिक्षण पद्धति के आधार पर इस पुस्तक की पाठ्य-सामग्री का विकास किया गया है। हिंदी भाषा जैसे बोली जाती है, वैसे ही लिखी जाती है। इसको ध्यान में रखकर हमने भाषा के सुनने और बोलने पर विशेष बल दिया है। वर्णमाला के व्यंजनों की सुरुचिपूर्ण प्रस्तुति की गई है। विभिन्न व्यंजनों की सहज-सरल पहचान के लिए 'चित्रशैली' और रोचक 'उदाहरणों' का उपयोग किया गया है।

विद्यार्थियों को अक्षर ज्ञान करवाते समय प्रत्येक पृष्ठ पर दिए गए अध्यापन निर्देशों पर अवश्य ध्यान दें। अक्षर परिचय के अंतर्गत सारे व्यंजन दिए गए हैं। इन व्यंजनों से प्रारंभ होने वाले शब्द दिए गए हैं। शब्दों के साथ ही चित्र भी हैं। चित्र देखकर, चित्र का नाम बोलें और विद्यार्थियों को भी बोलने का निर्देश दें। शब्द के आरंभिक व्यंजन के बोलने पर विशेष बल दें। पुस्तक में देखकर कहानी सुनाएँ। विद्यार्थियों को भी चित्रों के आधार पर कहानी सुनाने के लिए प्रेरित करें। इससे विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति में स्पष्टता आएगी, वे व्यंजनों का शुद्ध उच्चारण भी करना सीखेंगे।

पुस्तक के आरंभ में व्यंजनों पर आधारित कुछ छोटी-छोटी कहानियाँ दी गई हैं। इन कहानियों को इसी प्रकार वर्णों के आधार पर कक्षा में सुनाएँ। विद्यार्थियों को भी वर्णों के आधार पर कहानी सुनाने के लिए अवसर दें।

इस प्रक्रिया में विद्यार्थी शुद्ध भाषा बोलना सीखेगा। उसे भाषा की उपयोगिता और महत्त्व का ज्ञान होगा।

डॉ. निशा पेशिन
निदेशक (शैक्षिक)

व्यंजनों पर आधारित कहानियाँ

क – **क**मला **को**ट व **कं**गन पहने बैठी थी। उसके हाथ में **क**मल का फूल था। उसके पास उसके मित्र **क**बूतर, **क**छुआ और **कौ**आ बैठे थे। **क**मला ने **क**छुए को **क**प में चाय व **के**ला खाने को दिया। उसने **क**बूतर को **क**कड़ी दी। वह **का**ग़ज़ पर **क**लम से लिखने ही बैठी थी कि तभी **कौ**आ उसकी **कि**ताब ले गया और **कि**ताब में रखी **कं**घी नीचे गिर गई। **क**मला ने पीछे मुड़कर देखा तो उसे अपनी **का**र आती दिखाई दी।

ख – एक दिन **ख**रगोश **ख**जूर के पेड़ के पास **ख**ड़ा होकर **ख**रबूज़ा **खा** रहा था। उसने **खि**ड़की के पास **खा**ट बिछा रखी थी, जिसके नीचे एक **ख**टमल रहता था। तभी **खि**ड़की से **ख**टमल के लिए एक **ख**त आया।

ग – **ग**गन का **ग**धा बहुत तेज़ भाग रहा था। उसका **ग**मछा हवा में लहरा रहा था। तेज़ भागने से **ग**गन डर गया और उसकी **ग**दा और **गा**जर **गि**र **ग**ई। रास्ते में रखा **ग**मला भी टूट गया जिससे **ग**धा डरकर और तेज़ भागने लगा। यह देखकर **गा**य हँसकर **गा**ना **गा**ने लगी।

घ – **घ**नश्याम की अँगुली पर एक **घा**व हो गया था। जिसमें से खून बह रहा था। इसीलिए वह अपने **घो**ड़े पर बैठकर डॉक्टर के **घ**र की तरफ़ जा रहा था। डॉक्टर के **घ**र के सामने **घ**ड़ा पड़ा हुआ था और पेड़ पर **घों**सला था। सड़क के किनारे हरी-हरी **घा**स पर **घुँ**घरू और **घ**ड़ी पड़े हुए थे। जैसे ही **घ**नश्याम **घ**ड़ी उठाने के लिए झुका तो उसका **घो**ड़ा दो पाँव पर खड़ा हो गया।

च – **चा**ची **च**रखा **च**ला रही थी और **चा**चा **च**प्पल उतारकर **च**टाई पर बैठकर **चा**य पी रहे थे। प्लेट में **च**मचम थी और **चम्म**च **चा**ची के पास पड़ा हुआ था। **चा**चा ने देखा **चि**ड़िया **चा**बी लेकर उड़ गई और तभी **चु**पके से **चा**चा के पीछे **ची**ता आ गया।

छ – **छ**बीला हाथ में **छ**ड़ी और **छ**लनी लिए आ रहा था। बारिश ज़ोर से हो रही थी। वह **छ**तरी लेने के लिए **छ**त के नीचे गया। तभी **छ**त से **छि**पकली गिर गई और **छ**बीला डर गया।

ज – कैप्टन **ज**गत **ज**हाज़ को लेकर एक टापू की तरफ़ बढ़ रहे थे। उनका एक साथी **जा**ल से मछली पकड़ने की कोशिश कर रहा था और दूसरा **ज**ग से **ज**ल भर रहा था। **जै**से ही वह टापू पर पहुँचे तो कुछ **जा**नवरों ने पेड़ की **ज**ड़ से **ज**हाज़ का रास्ता रोकने की कोशिश की। यह देखकर कैप्टन **ज**गत डर गए और **ज**लेबी उनके हाथ से गिर गई।

झ – **झ**ब्बन **झू**ला **झू**ल रहा था। **झू**ले के पास **झा**ड़ू पड़ा था। पास ही में एक **झ**रना बह रहा था। तभी **झ**ब्बन ने देखा कि **झं**डे के सामने **झ**गड़ू और **झ**टपट लाल आपस में **झ**गड़ा कर रहे हैं।

ट – **ट**पकू अपनी **ट**मटम में एक यात्री को लेकर आया। लंबी यात्रा से थका हुआ घोड़ा **ट**ब से पानी पीने लगा। जैसे ही यात्री उतरा, **ट**पकू ने **टो**पी उतारकर उसे सलाम किया। उतरते समय यात्री की **टो**करी में से कुछ **ट**माटर गिर गए।

ठ – एक **ठ**ठेरा था जो बर्तन बनाता था। तभी एक **ठ**ग आया और उसके सारे बर्तन **ठे**ले में भरने लगा। **ठे**ला बर्तनों से **ठ**साठस भर गया। लेकिन जाते समय **ठ**ग का **ठ**प्पा वहीं गिर गया।

ड – **ड**फलीवाला तमाशा दिखा रहा था। उसके पास **ड**बलरोटी, **डि**ब्बा व **ड**मरू थे। सामने पेड़ की **डा**ली पर एक बंदर बैठा था। **ड**फलीवाले ने **ड**फली बंदर की तरफ़ फेंकी। जैसे ही बंदर **ड**फली लेने के लिए लपका, **डब्बू ड**र गया।

ढ – **ढ**फलू **ढो**लक बजा रहा था। उसका घर पहाड़ी पर था। **ढ**फलू का बेटा **ढ**फी उसके लिए खाना ला रहा था। तभी **ढ**लान पर उसका पैर फिसल गया और डिब्बे का **ढ**क्कन खुल गया। खाना नीचे गिर गया। **ढ**फी रोने लगा।

त – **त**नुज ने **ता**लाब के किनारे **त**किया व **त**लवार रखी। **तौ**लिया लेकर वह **ति**तली के पीछे भागा। **ता**लाब के दूसरी **त**रफ़ **त**मस राम **त**राज़ू से **त**रबूज़ **तौ**ल रहा था। **त**भी उसने देखा कि एक **तो**ता **ता**ला लेकर दूर रखे **त**बला की **त**रफ़ जा रहा है।

थ – **था**नेदार **थ**रथर सिंह की मेज़ पर **था**ली व हाथ में **थ**रमस थी। तभी सिपाही **थ**कन सिंह एक चोर को लाया क्योंकि उसने **थ**न वाली गाय चुराई थी। **था**नेदार ने गुस्से से चोर से पूछा कि गाय कहाँ से चुराई है? लेकिन वह कुछ नहीं बोला। इस पर सिपाही **थ**कन सिंह ने उसे ज़ोर से **थ**प्पड़ मारा। यह देखकर गाय खुश हो गई और उसने सोचा कि अब ज़रूर चोर को बुखार हो जाएगा और उसे **थ**र्मामीटर लगेगा।

द – उस **दि**न **द**स तारीख थी। **दा**दाजी **द**री पर बैठकर **द**ही खा रहे थे। उनकी **द**वाई भी वहीं रखी थी। पास में बैठा हुआ **द**रज़ी उनका कुर्ता सिल रहा था। **द**रज़ी के पास मेज़ पर एक **द**वात की शीशी रखी हुई थी तथा **द**रवाज़ा खुला हुआ था।

ध – एक दिन बहुत तेज़ **धू**प थी। **ध**नंजय **ध**नुष लेकर **ध**निया खरीदने के लिए गया। पास ही में खड़े **ध**नपत ने एक व्यक्ति को बहुत ज़ोर से **ध**क्का दिया। उसके थैले में बहुत-सा **ध**न था और **ध**क्का लगने से सारा **ध**न **ध**रती पर गिर गया।

न – **न**कुल **न**हाना चाहता था पर **न**ल में पानी कम होने के कारण वह पास में बह रही **न**दी जिसमें एक **ना**व खड़ी थी, **न**हाने लगा। **न**कुल के **ना**ना-**ना**नी उसे ढूँढते हुए वहाँ पहुँचे। **न**दी के इस किनारे पर एक **न**थ पड़ी हुई थी और दूसरे किनारे पर कुछ लोग मस्ती में **ना**च रहे थे।

प – **प**लटू **पा**जामा **प**हने हुए नदी के किनारे **प**हिया चला रहा था। नदी में **पा**नी था। नदी के किनारे पर एक **पे**ड़ और सुंदर **प**हाड़ थे। **पे**ड़ का **प**त्ता **प**लटू के **पाँ**व के **पा**स **प**ड़ा था। तभी **प**लटू ने देखा एक **प**क्षी **प**तंग को चोंच में दबाकर **पं**खों वाली **प**री के **पा**स जा रहा है। **प**वन, **प**नीर खाते हुए सब देख रहा था। सामने मेज़ पर **प**पीता भी रखा था।

फ – **फ**रीद **फू**ल लेकर जा रहा था। उसके पीछे **फ**न वाला साँप भी आ रहा था। अचानक केले के छिलके पर पैर पड़ते ही वह **फि**सल गया। उधर **फ**ल और **फ**ली लेकर बैठा **फ**लवाला यह देखकर हँसने लगा।

ब – एक **ब**गीचा था। **ब**बलू **ब**स्ता लेकर **ब**गीचे के पास **ब**स का इंतजार कर रहा था। उसने देखा कि वहाँ एक **ब**टन पड़ा है और **ब**करी **ब**र्फ़ी खा रही थी। **ब**करी को भगाने के लिए जैसे ही **ब**बलू ने **बा**जा **ब**जाया, **बं**दर और **ब**तख भी उधर देखने लगे।

भ – मंदिर में **भ**क्त **भ**गवान का **भ**जन कर रहे थे। बाहर **भ**रतदास **भा**लूवाला **भी**ड़ को तमाशा दिखा रहा था। **भ**रतदास ने **भा**लू से कहा अगर वह अच्छा नाच दिखाएगा तभी उसे **भो**जन मिलेगा।

म – **म**नोज तालाब के किनारे **म**छली पकड़ रहा था। पास के पेड़ पर **मो**र बैठा था और वहाँ एक **म**च्छर उड़ रहा था। उसके **मा**मा, **मा**मी और **मम्मी** **मि**ठाई खा रहे थे। उनके पास ही **म**टर के कुछ दाने पड़े थे। तभी अचानक **म**गरमच्छ को आता देख सब लोग डर गए।

य – दो सेनाओं में **यु**द्ध हो रहा था। **य**तिन **यं**त्र से यह दृश्य देख रहा था। **यु**द्ध रोकने के लिए लोग **य**ज्ञ कर रहे थे। **यु**वक प्रसाद लेकर खड़ा था।

र – एक **रा**क्षस था। वह **रा**त में **र**थ पर बैठकर लोगों को तंग करता था और दिन में **र**ज़ाई ओढ़कर सोता था। एक दिन **रा**जा, **रा**जकुमार **र**जत व **रा**जकुमारी **र**मनी के साथ उसे मारने के लिए आया। उनसे डरकर **रा**क्षस **र**ज़ाई छोड़कर **र**स्सी पर चढ़ने लगा।

ल – एक **ल**ड़का और **ल**ड़की **ल**कड़ी के **ल**ट्ठे पर बैठकर **ल**ट्टू से खेल रहे थे। खेलते-खेलते उनका **ल**ट्टू खो गया। **ल**ट्टू ढूँढने के **लि**ए जैसे ही उन्होंने **ला**लटेन जलाई, तो देखा एक **लो**मड़ी **ल**हसुन, **लो**टा और हाथ में **ल**ड्डू लेकर **लं**गूर से बात कर रही थी। **ल**ड्डू देखकर **लं**गूर की **ला**र टपकने **ल**गी।

व – **व**र्षा में एक **व**क खुश होकर नाच रहा था, **व**स्त्र भीग रहे थे और **व**रुण **वी**णा बजा रहा था। **व**सुधा और उसके साथी **व**न के पास से होकर **वि**द्यालय जा रहे थे।

श – **शि**व मंदिर के बाहर **श**शि और **श**शांक की **शा**दी हो रही थी। **शा**दी में एक **श**रीफ़ **शे**र भी आया था। दावत में **शे**र को **श**रीफ़ा और **श**लग़म खाने को मिले और पीने को **श**रबत। छत्ते में से **श**हद टप-टप-टप-टप करके **श**रबत में टपक रहा था।

ष – रमेश ने छत से झाँककर देखा कि उसकी दीवार पर एक रंग-बिरंगा **ष**ट्कोण बना हुआ है। उसे देखकर उसके पास ही चिंटू ने **ष**ट् (छह) और **ष**ट्कोण बना दिए।

स – **स**मुद्र के किनारे एक **स**पेरा **सा**ँप का खेल दिखा रहा था। **स**लोनी के **सा**थ **स**रस भी खेल देख रहा था। तभी वहाँ एक **सा**रस भी आ गया। अपने **सा**मने **से**ब व **स**ब्ज़ी की टोकरी को देखकर **सी**ंग वाली गाय के मुँह में पानी आ गया।

ह – **ह**ल्दीराम एक **हा**थ में **ह**थौड़ा और दूसरे **हा**थ में **हा**र लिए जा रहा था। अचानक **हा**र का **ही**रा नीचे गिर गया। **ही**रा ढूँढते-ढूँढते उसका पैर **ह**ड्डी पर पड़ा। रास्ते में उसे **ह**ल व **हि**रण दिखाई दिए। उसे **ही**रा तो नहीं मिला लेकिन उसने वहाँ **हा**थी को **ह**लवा खाते और **ह**वाई जहाज़ को उड़ते हुए देखा।

क
कमला
कमल
कलम
कछुआ
कप

अध्यापन निर्देश:

इस कहानी में 'कोट', 'कंगन', 'काग़ज़', 'किताब', 'कार', 'कौआ', 'केला', 'कंघी' के चित्रों को नामांकित नहीं किया गया है। छात्रों को इन्हें ढूँढने के लिए प्रोत्साहित कीजिए।

ख

अध्यापन निर्देश:

इस कहानी में 'खिड़की', 'खाट' के चित्रों को नामांकित नहीं किया गया है। छात्रों को इन्हें ढूँढने के लिए प्रोत्साहित कीजिए।

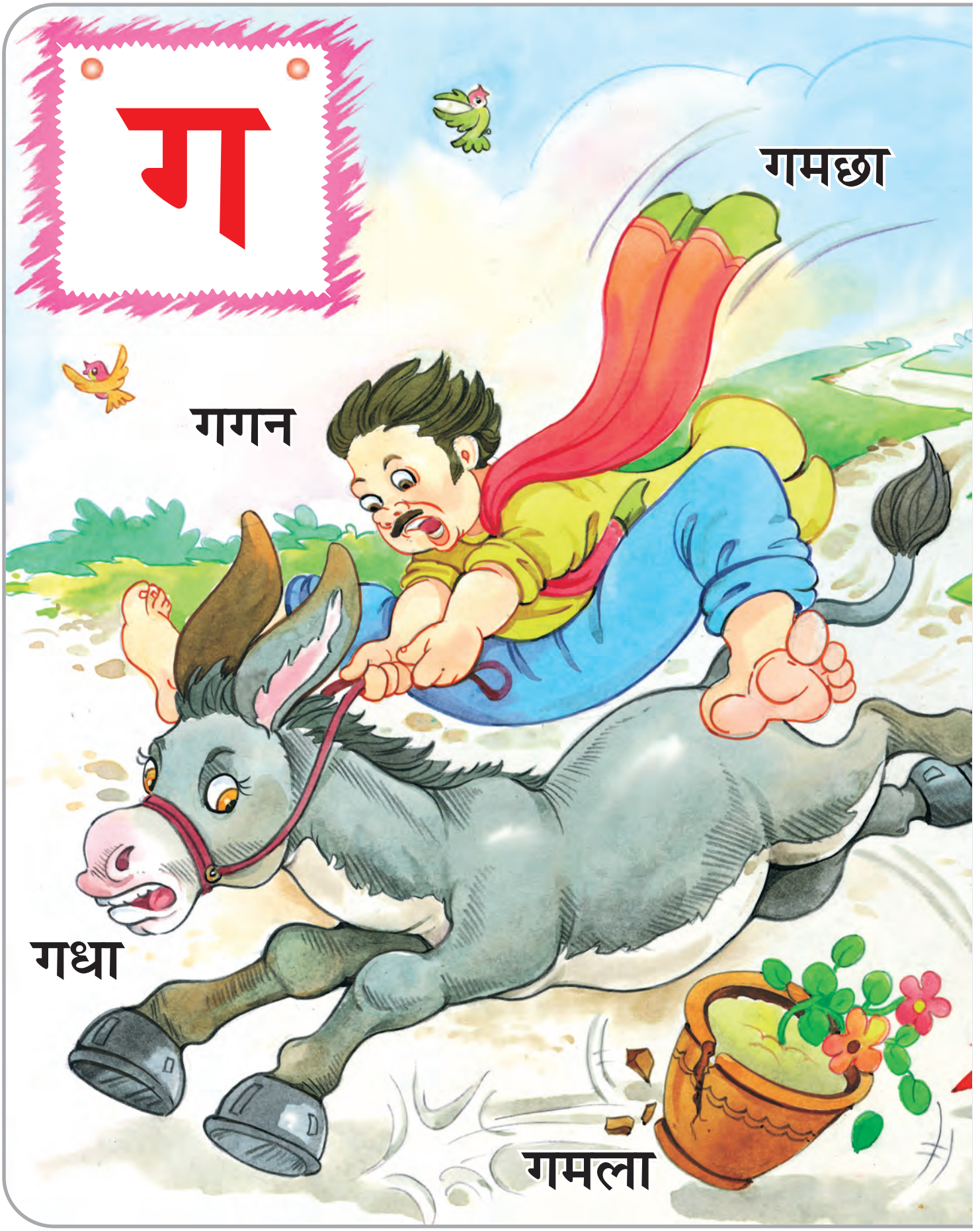
ग
गमछा
गगन
गधा
गमला

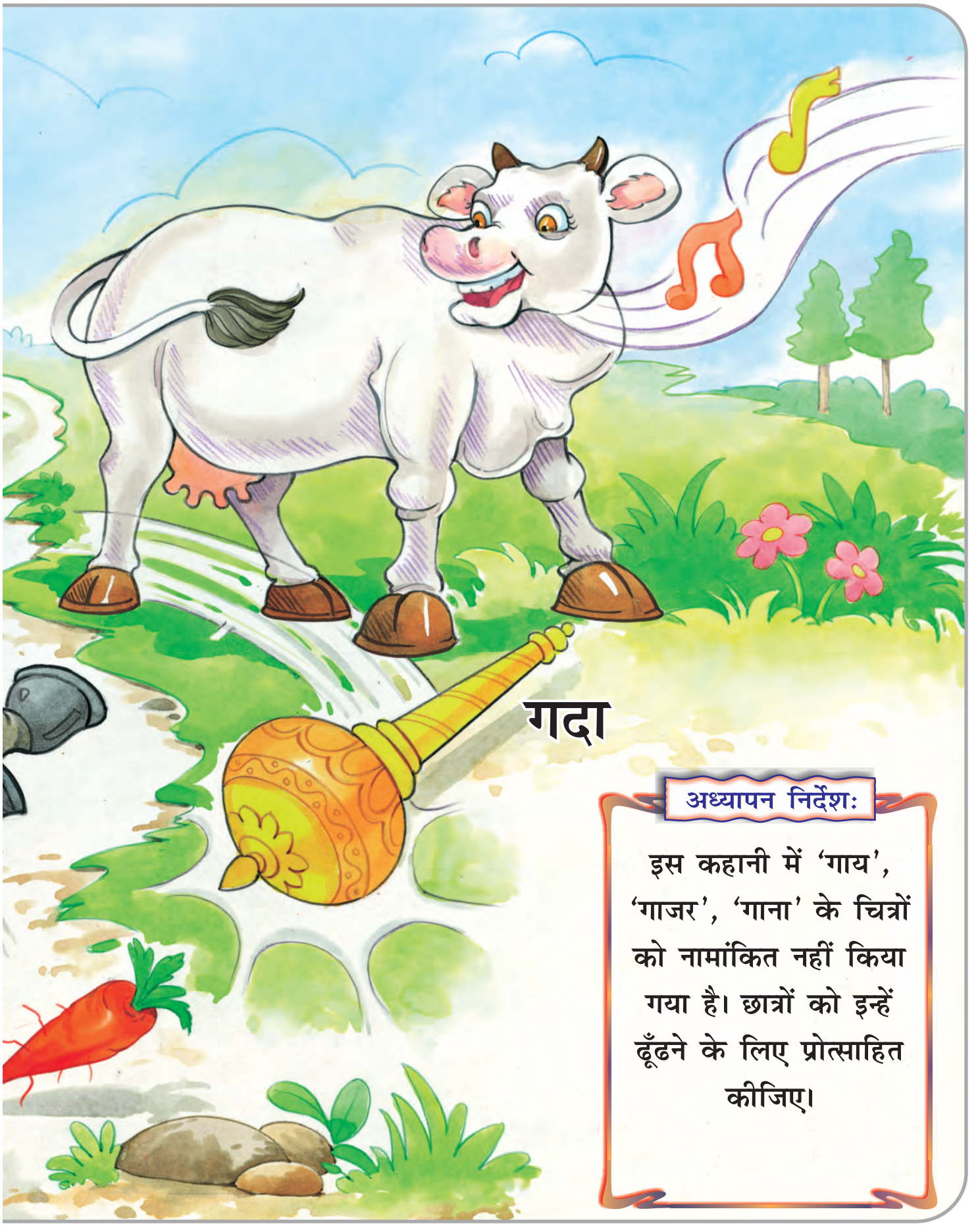

गदा

अध्यापन निर्देश:

इस कहानी में 'गाय', 'गाजर', 'गाना' के चित्रों को नामांकित नहीं किया गया है। छात्रों को इन्हें ढूँढने के लिए प्रोत्साहित कीजिए।

घ

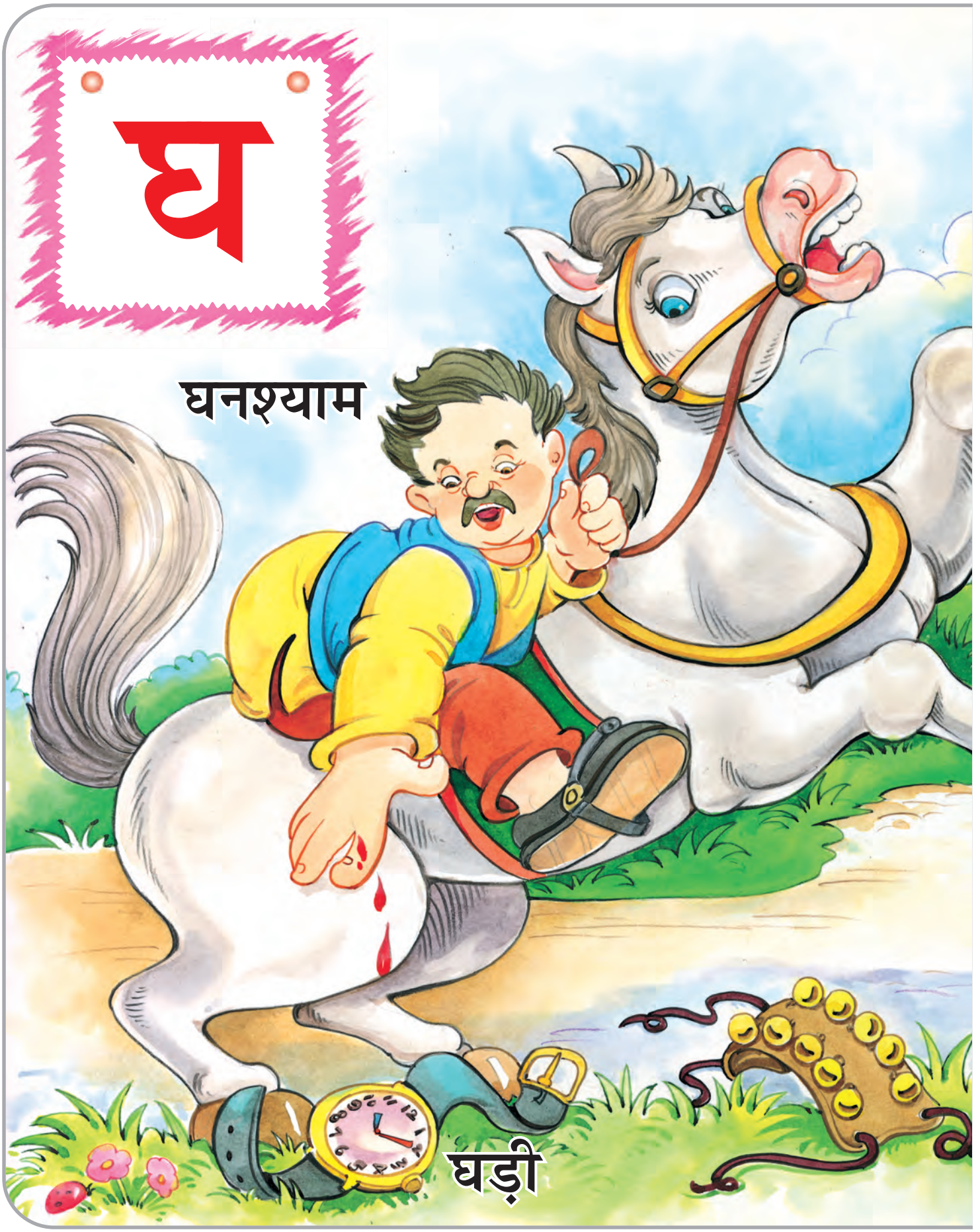

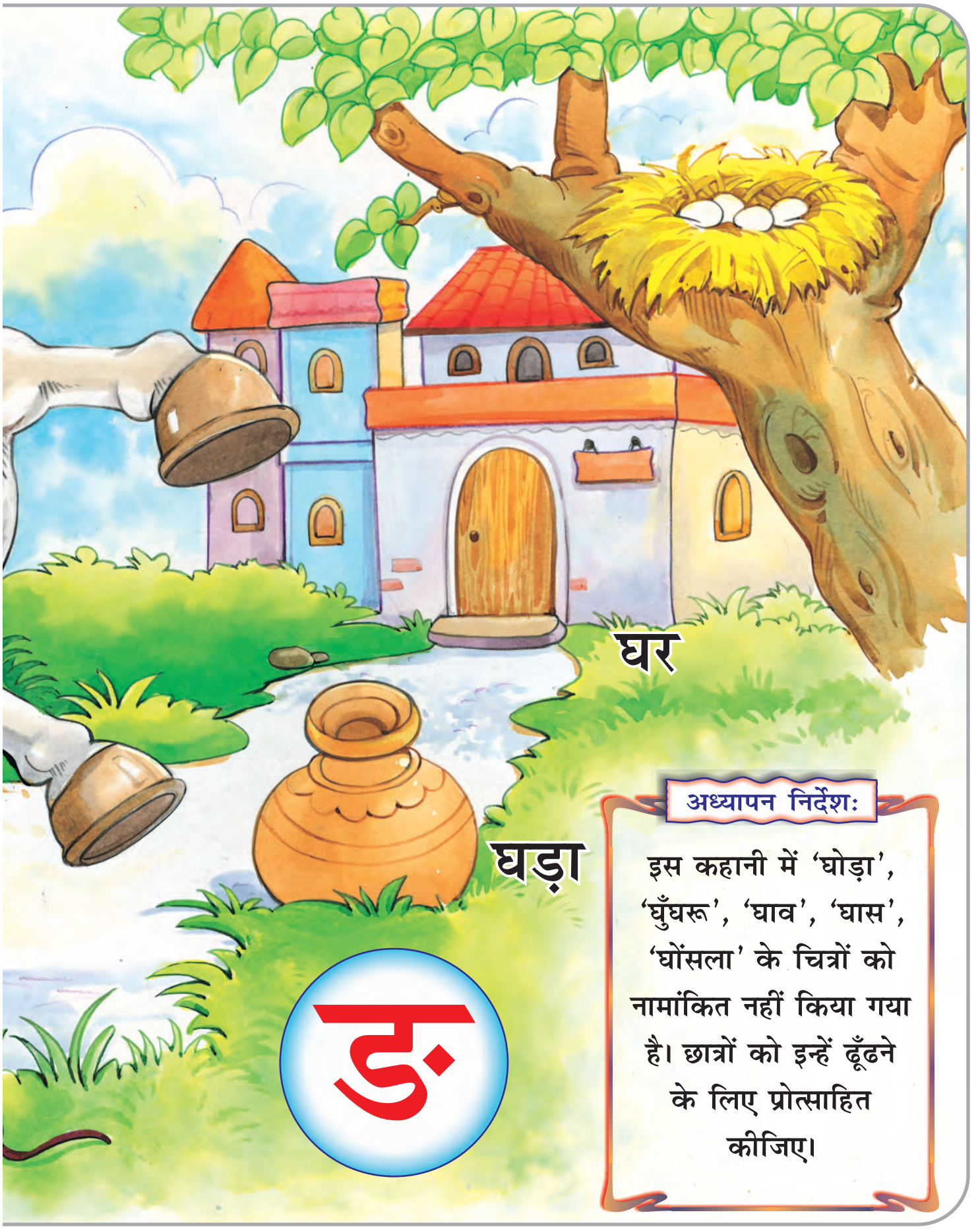

अध्यापन निर्देश:

इस कहानी में 'घोड़ा', 'घुँघरू', 'घाव', 'घास', 'घोंसला' के चित्रों को नामांकित नहीं किया गया है। छात्रों को इन्हें ढूँढने के लिए प्रोत्साहित कीजिए।

चित्र पहचानिए और सही अक्षर से मिलाइए-

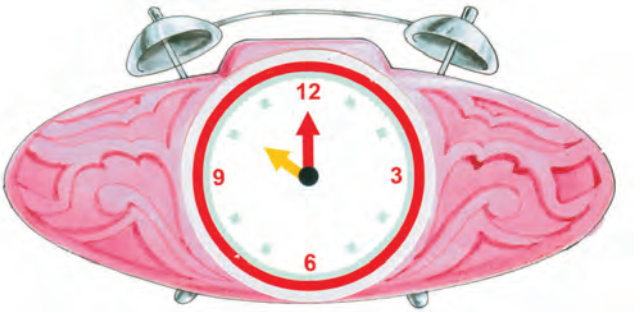

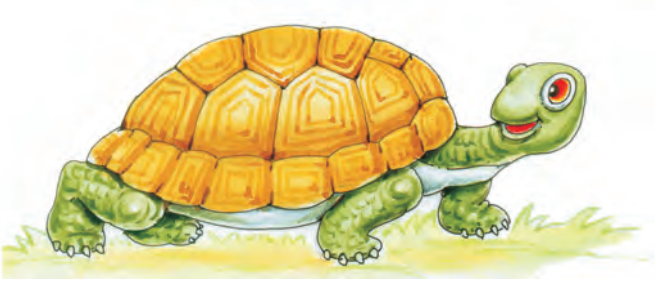

ख

ग

क

घ

अध्यापन निर्देशः शब्द की पहली ध्वनि पर छात्रों का ध्यान दिलवाइए।

समान अक्षर पहचानकर गोला लगाइए-

च

चरखा

चमचम

चम्मच

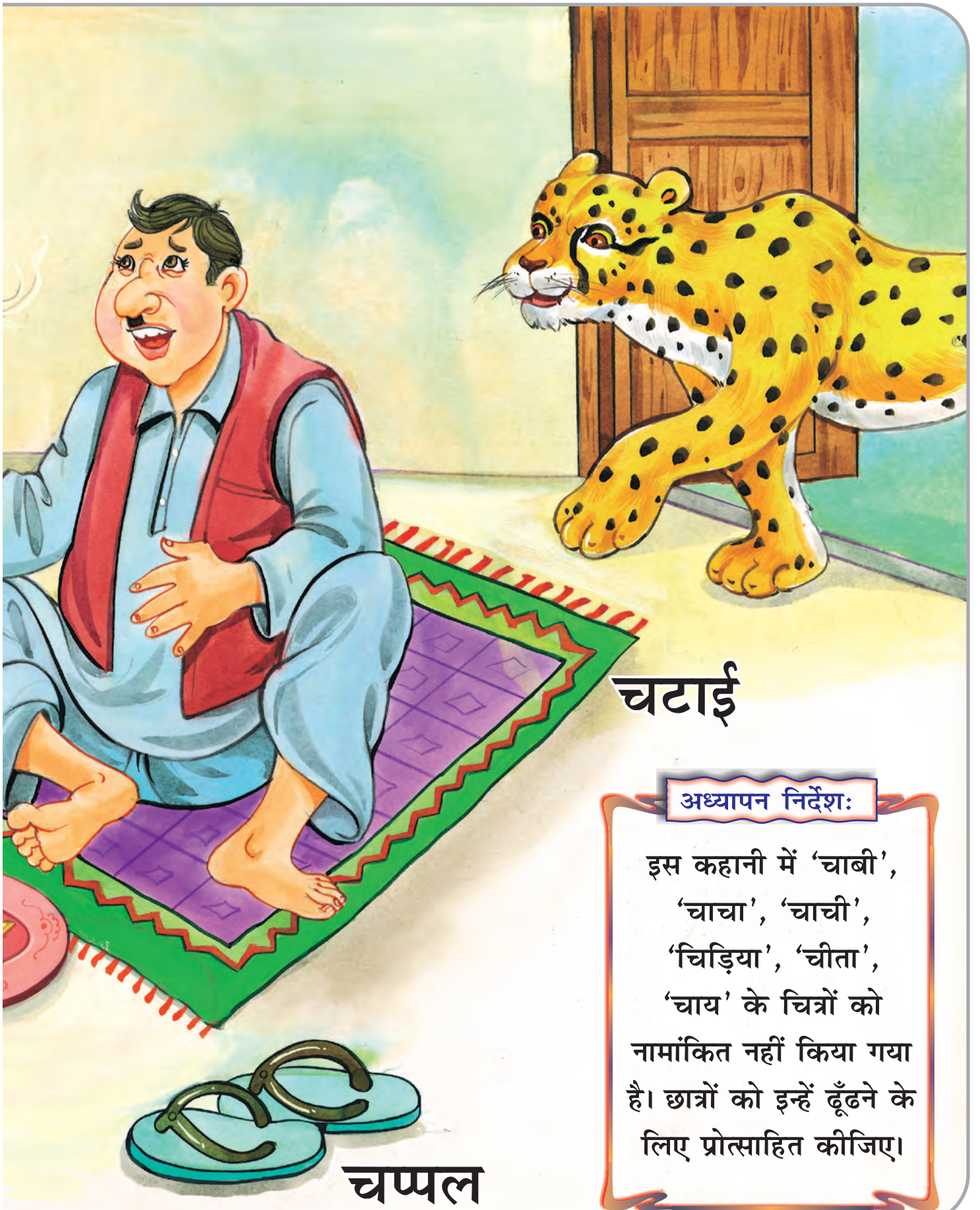

चटाई

चप्पल

अध्यापन निर्देश:

इस कहानी में 'चाबी', 'चाचा', 'चाची', 'चिड़िया', 'चीता', 'चाय' के चित्रों को नामांकित नहीं किया गया है। छात्रों को इन्हें ढूँढने के लिए प्रोत्साहित कीजिए।

छ

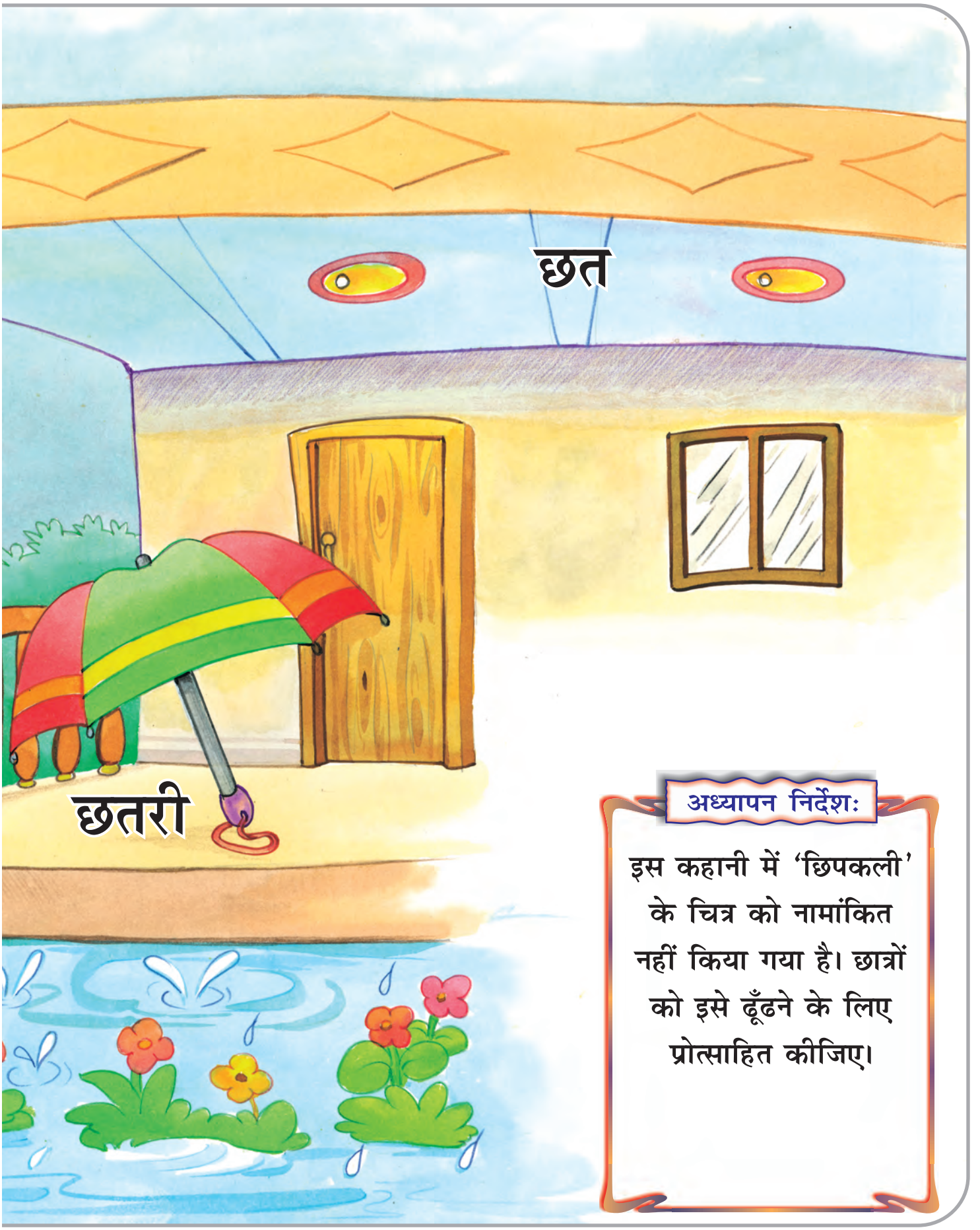

अध्यापन निर्देश:

इस कहानी में 'छिपकली' के चित्र को नामांकित नहीं किया गया है। छात्रों को इसे ढूँढने के लिए प्रोत्साहित कीजिए।

ज

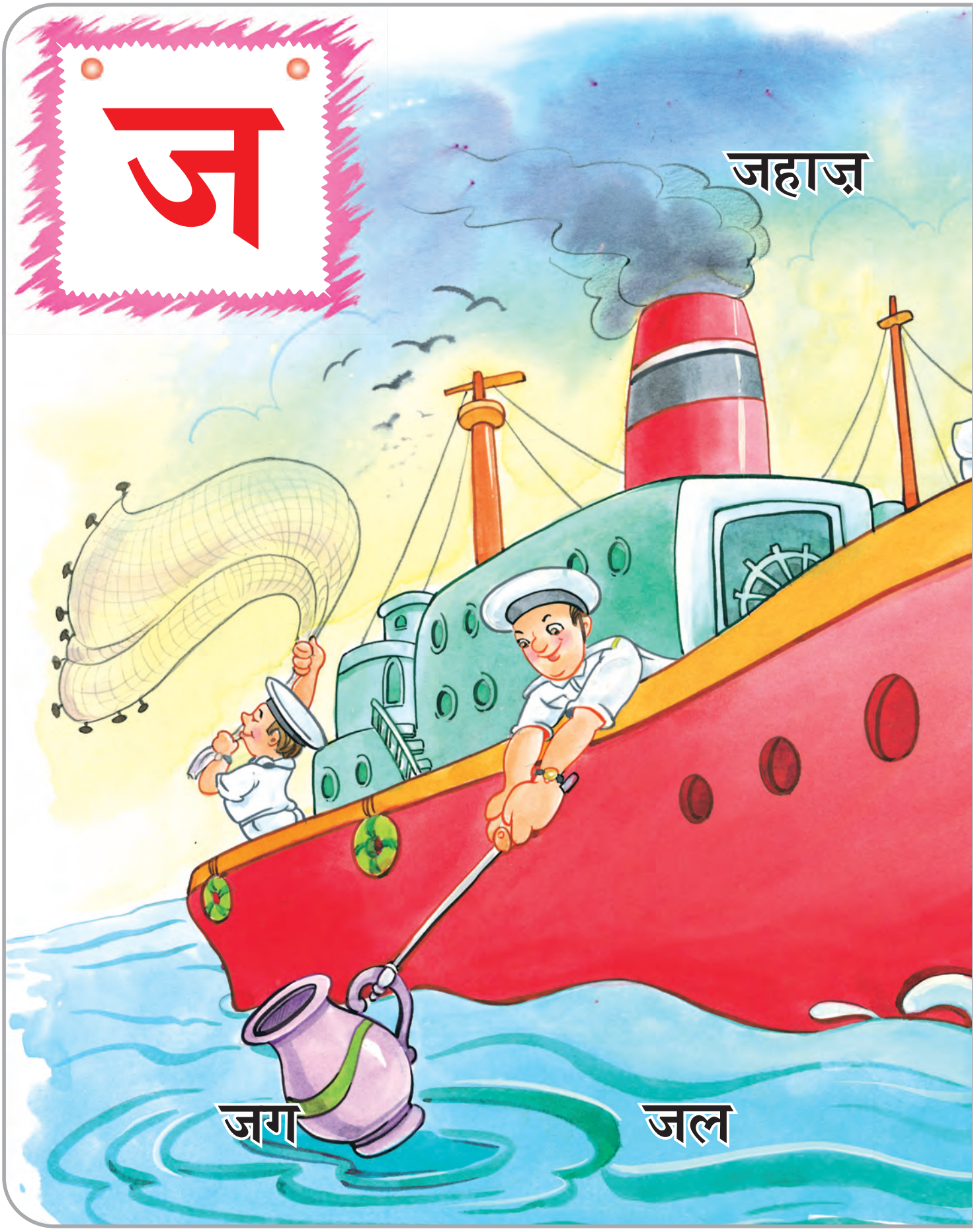

अध्यापन निर्देश:

इस कहानी में 'जानवर', 'जाल' के चित्रों को नामांकित नहीं किया गया है। छात्रों को इन्हें ढूँढने के लिए प्रोत्साहित कीजिए।

झ

अध्यापन निर्देश:

इस कहानी में 'झाड़ू', 'झूला', 'झंडा' के चित्रों को नामांकित नहीं किया गया है। छात्रों को इन्हें ढूँढने के लिए प्रोत्साहित कीजिए।

चित्र पहचानिए और सही अक्षर पर गोला लगाइए-

क	छ	च	ञ	च	ख	ज	घ

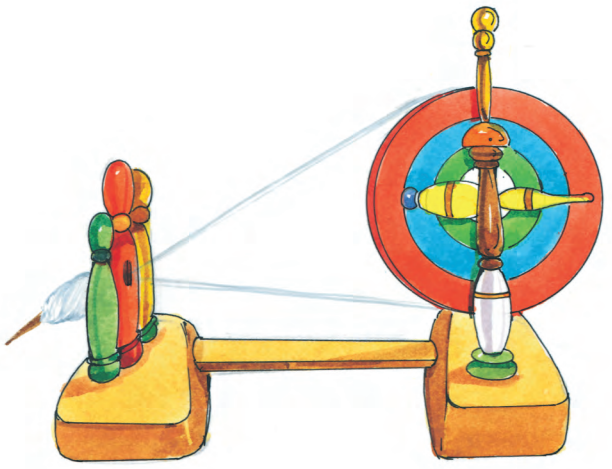

ग	झ	च	ज	ज	क	ग	झ

अध्यापन निर्देश: शब्दों की पहली ध्वनि पर छात्रों का ध्यान केंद्रित करवाइए।

दिए गए अक्षर से शुरू होने वाले चित्र पर गोला लगाइए-

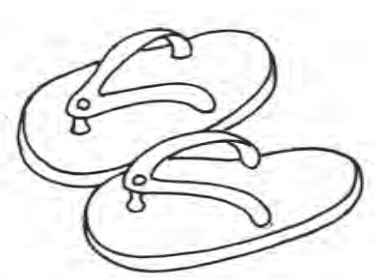

च		
छ		
ज		
झ		

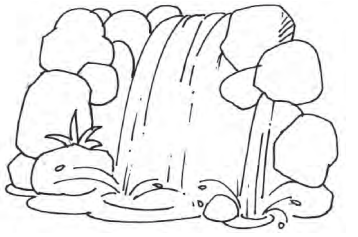

अध्यापन निर्देश: शब्दों की पहली ध्वनि पर छात्रों का ध्यान केंद्रित करवाइए।

ट

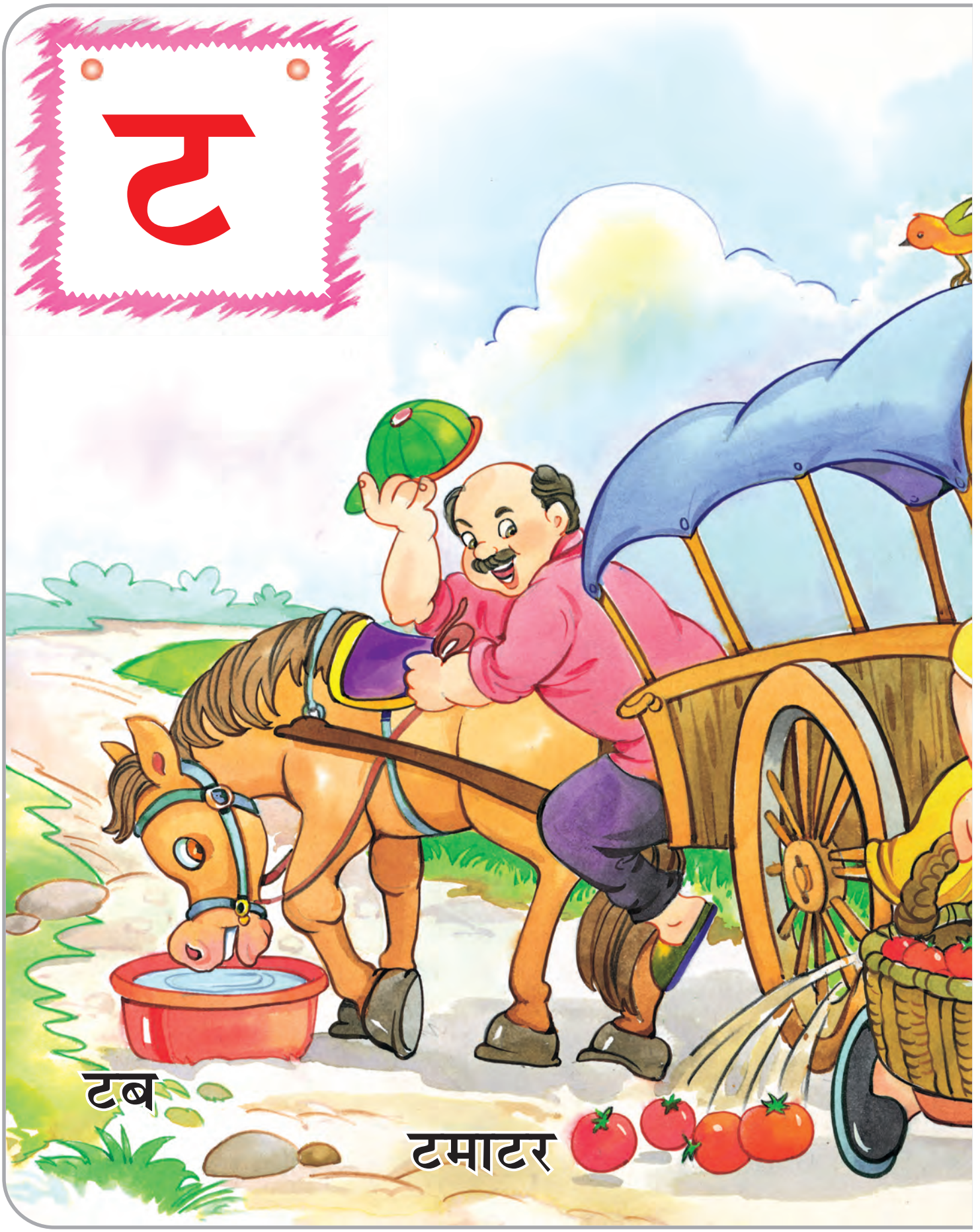

टमटम

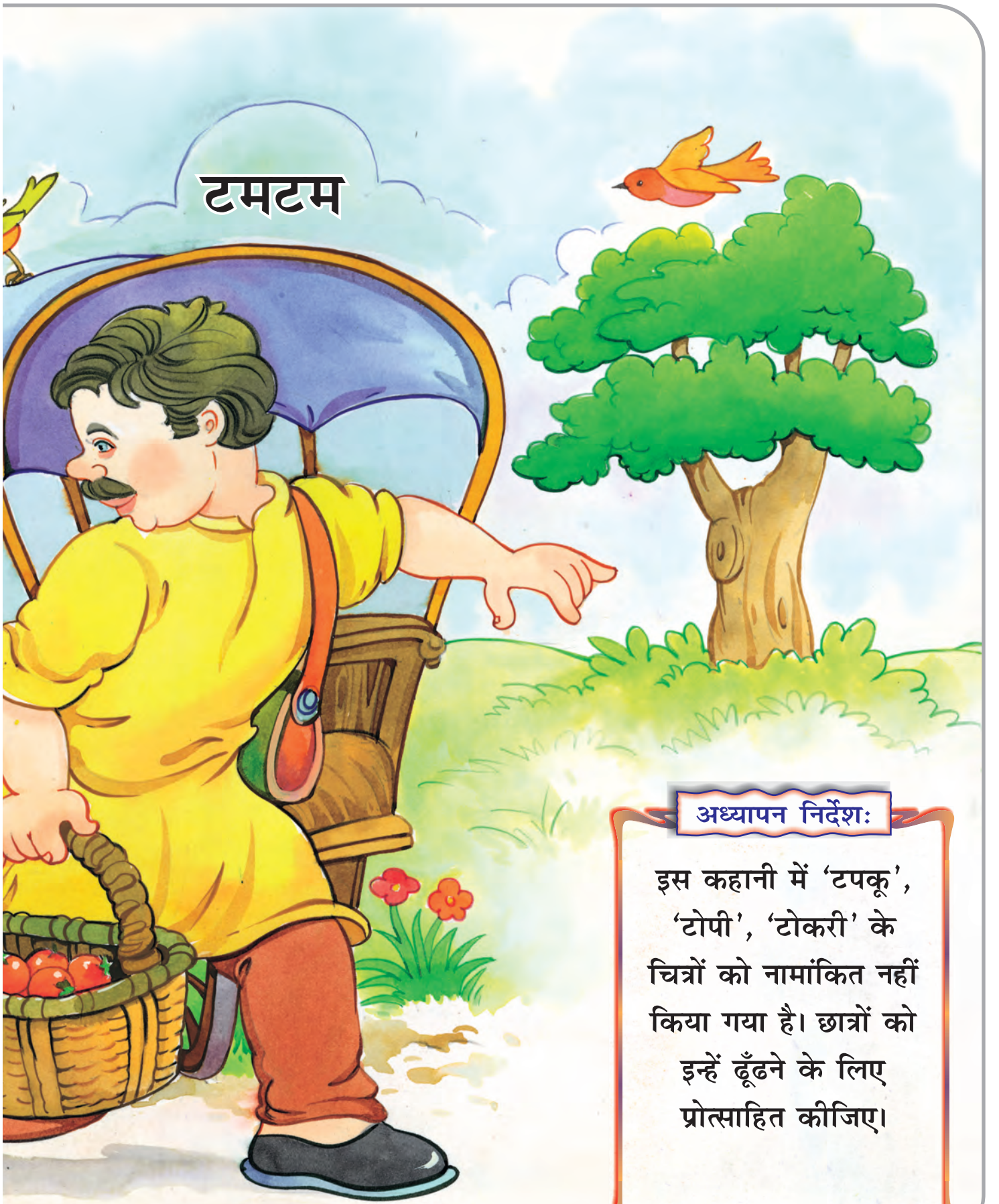

अध्यापन निर्देश:

इस कहानी में 'टपकू', 'टोपी', 'टोकरी' के चित्रों को नामांकित नहीं किया गया है। छात्रों को इन्हें ढूँढने के लिए प्रोत्साहित कीजिए।

ठ
ठठेरा

अध्यापन निर्देश:

इस कहानी में 'ठेला', 'ठसाठस' के चित्रों को नामांकित नहीं किया गया है। छात्रों को इन्हें ढूँढने के लिए प्रोत्साहित कीजिए।

ड
डफलीवाला
डमरू
डबलरोटी

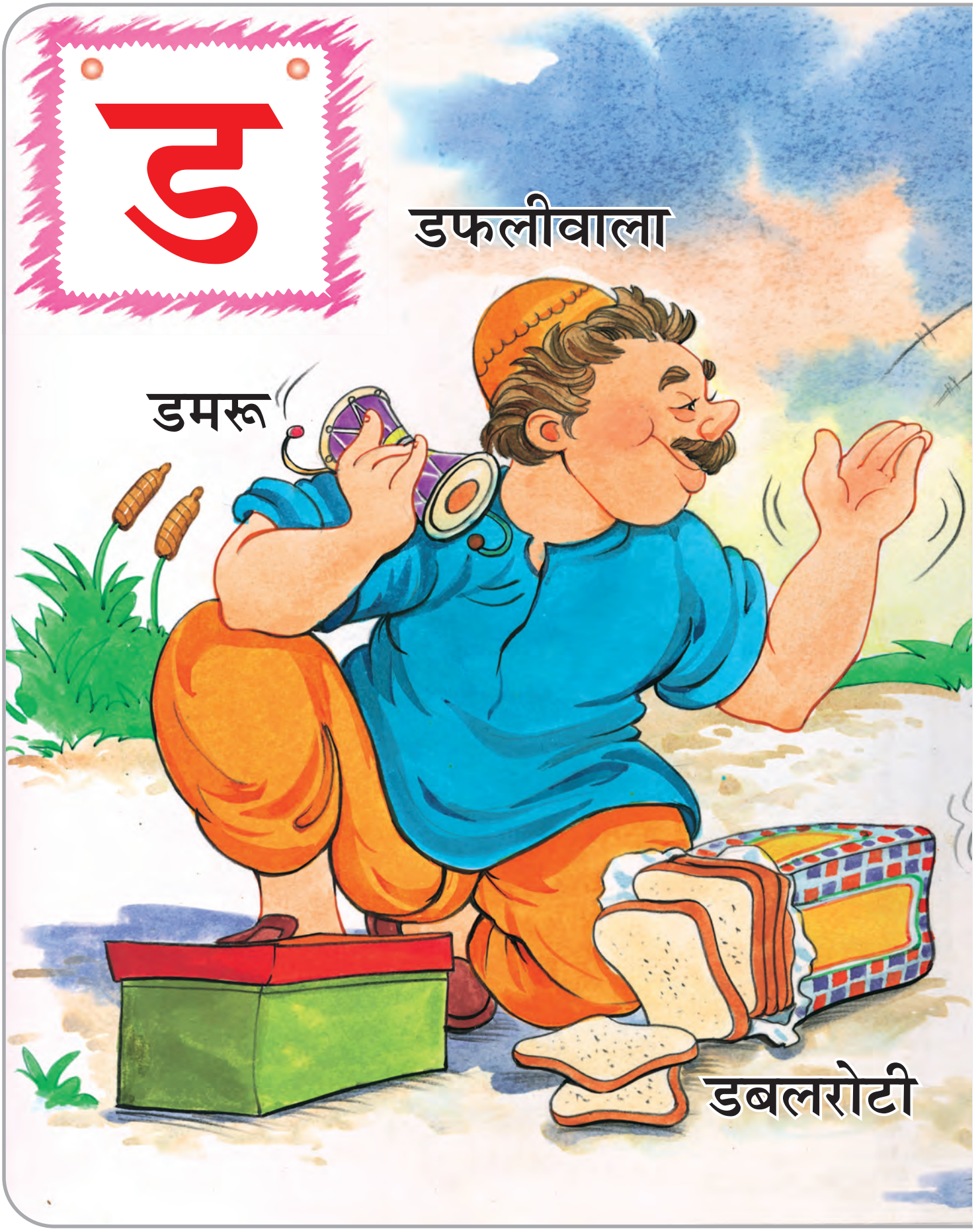

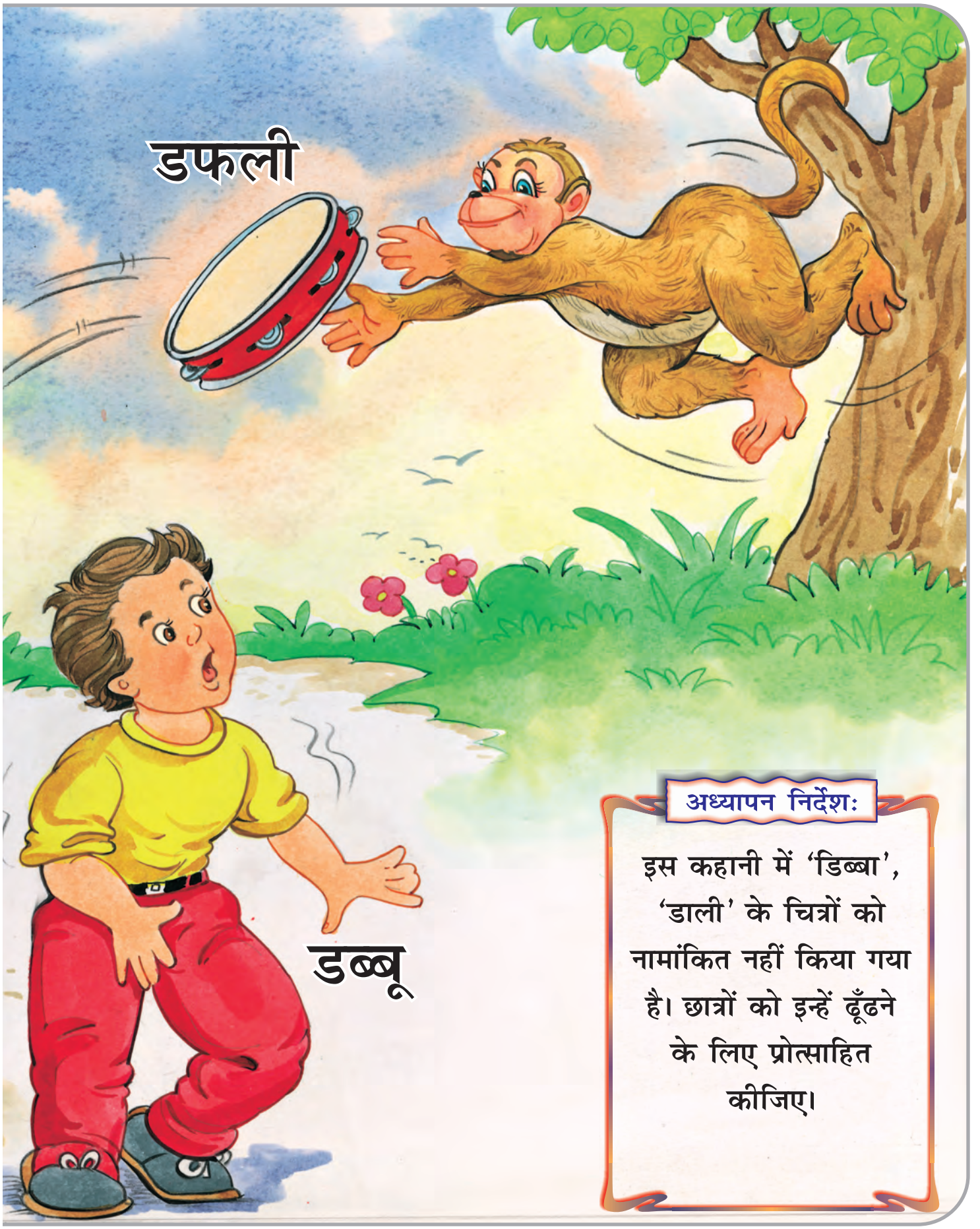

अध्यापन निर्देश:

इस कहानी में 'डिब्बा', 'डाली' के चित्रों को नामांकित नहीं किया गया है। छात्रों को इन्हें ढूँढने के लिए प्रोत्साहित कीजिए।

ढ

ण

अध्यापन निर्देश:

इस कहानी में 'ढफी', 'ढोलक' के चित्रों को नामांकित नहीं किया गया है। छात्रों को इन्हें ढूँढने के लिए प्रोत्साहित कीजिए।

चित्र पहचानिए और सही अक्षर से मिलाइए-

च

ट

ठ

क

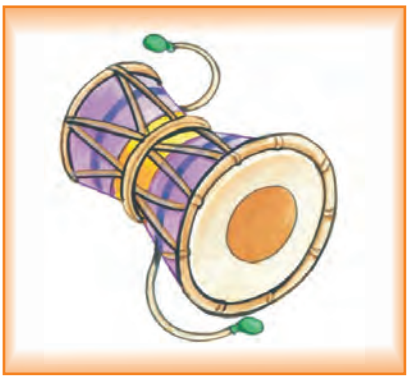

ड

ढ

अध्यापन निर्देश: शब्दों की पहली ध्वनि पर छात्रों का ध्यान केंद्रित करवाइए।

समान अक्षर पहचानकर गोला लगाइए–

ढ	ट	ट	ट	ढ	ट	ट
ज	च	ज	च	च	च	च
ग	झ	झ	झ	झ	ग	झ
ट	ठ	ठ	ठ	ठ	ठ	ट
क	ख	ख	ख	क	ख	ख
छ	घ	घ	छ	घ	घ	घ